अभ्यास पत्रक

पाठ – नेताजी का चश्मा

नाम :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

प्रश्न 1: बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) (1×5 = 5 अंक)

1. 'नेताजी का चश्मा' कहानी में मूर्ति किसकी है?
   (क) महात्मा गांधी (ख) भगत सिंह (ग) सुभाष चंद्र बोस (घ) बाल गंगाधर तिलक
2. मूर्तिकार ने मूर्ति में क्या छोड़ दिया था जिससे सबको अटपटा लगा?
   (क) टोपी (ख) चश्मा (ग) वर्दी (घ) नारे
3. हालदार साहब मूर्ति पर बार-बार क्या बदलते हुए देखते थे?
   (क) टोपी (ख) रंग (ग) चश्मा (घ) जूते
4. 'कैप्टन' कौन था?
   (क) पानवाला (ख) मूर्तिकार (ग) चश्मे बेचने वाला (घ) मूर्ति बनाने वाला कलाकार
5. अंत में मूर्ति पर कैसा चश्मा दिखा जिससे हालदार साहब भावुक हो गए?
   (क) असली चश्मा (ख) गोल धूप वाला चश्मा (ग) लोहे का चश्मा (घ) सरकंडे से बना चश्मा

प्रश्न 2: रिक्त स्थानों की पूर्ति करें – (1×2 = 2 अंक) *(विकल्प नहीं दिए गए हैं)*

1. मूर्तिकार का नाम मूर्ति के नीचे _____ लिखा था।
2. कैप्टन मूर्ति पर _____ चश्मे लगाया करता था।

प्रश्न 3: लघु उत्तरीय प्रश्न (30–40 शब्दों में उत्तर दें) (4 में से कोई 3 करें) – (3×2 = 6 अंक)

1. हालदार साहब नेताजी की मूर्ति पर असली चश्मा देखकर क्या सोचते हैं?

उत्तर - .....
.....
.....
.....

2. पानवाले के अनुसार कैप्टन क्या करता था जब ग्राहक को चश्मा चाहिए होता?

उत्तर - .....
.....
.....
.....

3. लेखक ने मूर्तिकार द्वारा मूर्ति में चश्मा न बनाने के क्या-क्या कारण बताए?

उत्तर - .....
.....
.....
.....

4. हालदार साहब को 'सरकंडे का चश्मा' देखकर क्यों भावुकता आ गई?

उत्तर - .....
.....
.....
.....

eGyanArchive

प्रश्न 4: निम्नलिखित में से किसी एक गद्यांश भाव स्पष्ट करें – (1×4 = 4 अंक)

(क) "लेकिन भाई! एक बात अभी भी समझ में नहीं आई। हालदार साहब ने पानवाले से फिर पूछा, नेताजी का ओरिजिनल चश्मा कहाँ गया?"

(ख) "मूर्ति की आँखों पर सरकंडे से बना छोटा-सा चश्मा रखा हुआ था, जैसा बच्चे बना लेते हैं। हालदार साहब भावुक हैं। इतनी-सी बात पर उनकी आँखें भर आईं।"

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न 5: दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (1×8 = 8 अंक) *उत्तर सीमा: 80–100 शब्द*

प्रश्न: 'नेताजी का चश्मा' कहानी केवल एक मूर्ति की कमी या उसकी सजावट भर नहीं है, बल्कि यह आम जनता की देशभक्ति, भावना और जिम्मेदारी का प्रतीक है। कैप्टन और बच्चों के व्यवहार के माध्यम से लेखक ने क्या संदेश देने की कोशिश की है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

egyanarchive

उत्तर कुंजी

प्रश्न 1 – MCQ उत्तर:

1. (ग) सुभाष चंद्र बोस
2. (ख) चश्मा
3. (ग) चश्मा
4. (ग) चश्मे बेचने वाला
5. (घ) सरकंडे से बना चश्मा

प्रश्न 2 – रिक्त स्थान उत्तर:

1. मोतीलाल
2. असली

प्रश्न 3 – लघु उत्तरीय उत्तर:

1. हालदार साहब को यह देखकर आश्चर्य होता है कि देशभक्ति भावना अब भी जीवित है, और उन्हें आम नागरिकों की संवेदना सराहनीय लगती है।
2. जब किसी ग्राहक को मूर्ति वाला चश्मा पसंद आता, तो कैप्टन उसे उतारकर बेच देता और मूर्ति पर दूसरा लगा देता।
3. लेखक ने बताया कि मूर्तिकार अनुभवहीन था, समय कम था, या चश्मा बनाने में वह सफल नहीं हो पाया।
4. उन्हें यह देखकर आशा मिली कि आज की पीढ़ी में भी देशभक्ति और सम्मान की भावना जीवित है।

प्रश्न 4 – व्याख्या संकेत:

(क)

यह पंक्ति हालदार साहब की गहरी जिज्ञासा दर्शाती है। उन्हें समझ नहीं आता कि नेताजी के असली चश्मे की जगह असली चश्मा क्यों नहीं बनाया गया। यह सवाल देश की अनदेखी व्यवस्था पर व्यंग्य है।

(ख)

यह अंतिम दृश्य भावनात्मक चरम बिंदु है जहाँ कैप्टन की मृत्यु के बाद भी बच्चों द्वारा मूर्ति को चश्मा पहनाया गया। यह नई पीढ़ी की संवेदनशीलता और सच्ची देशभक्ति को दर्शाता है।

प्रश्न 5 – दीर्घ उत्तरीय उत्तर संकेत:

- लेखक बताते हैं कि सच्ची देशभक्ति केवल भाषणों और प्रतीकों तक सीमित नहीं होती।
- 'कैप्टन' जैसे सामान्य लोग बिना किसी पहचान के देश की भावना को जीवित रखते हैं।
- मूर्ति की कमी को पूरा करना उसकी पूजा नहीं, भावनात्मक जुड़ाव है।
- अंत में जब बच्चे सरकंडे का चश्मा बनाकर नेताजी को पहनाते हैं, तो यह नई पीढ़ी की जिम्मेदारी और उम्मीद को दर्शाता है।
- यह कहानी देशभक्ति, कर्तव्य, संवेदना और प्रेरणा का एक सजीव उदाहरण बन जाती है।

egyanarchive